महत्वपूर्ण एवं खास

कुत्तों ने हिरण को बनाया अपना शिकार

दंतेवाड़ा(आरएनएस)। जिले के भांसी थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगल से भटक कर शहरी क्षेत्र में आ गये हिरण के बच्चे को आवरा कुत्तों ने अपना शिकार बनाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। घायल हिरण को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाया गया और एक भवन में सुरक्षित रखा गया है। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दे दी है। घायल हिरण का इलाज स्थानीय स्तर पर लोगों के द्वारा किया जा रहा था। इसकी जानकारी वन विभाग को मिलने पर वन विभाग की टीम घायल हिरण को अपने साथ ले गई और उसका इलाज करने के बाद जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी की पूर्वानुमति के बिना अवकाश पर रोक

धमतरी(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन कार्यक्रमों की घोषणा कर दी गई है। आसन्न पंचायत निर्वाचन को दृष्टिगत करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रजत बंसल ने जिले में पदस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आदेशित किया है कि बिना उनकी पूर्वानुमति के कोई भी अधिकारी-कर्मचारी न तो अवकाश पर जा सकेंगे और न ही मुख्यालय छोड़ सकेंगे। अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खुला रखने के आदेश जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए हैं।

यूनाइटेड नेशन मिशन की चीफ नेशनल ट्राइबल डॉन्स फेस्टिवल में शामिल होने पहुंची रायपुर

रायपुर/नईदिल्ली(आरएनएस)। भारत में यूनाइटेड नेशन मिशन की चीफ यूएन रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर रेनाटा लोक डेसालियन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 27 दिसंबर से होने वाले राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होने रायपुर पहुंच गई है। माना विमानतल पर संस्कृति विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने उनका स्वागत किया।

पिकनिक मनाने गये डॉक्टर की हृदयाघात से मौत

दंतेवाड़ा(आरएनएस)। कटेकल्याण में पदस्थ डॉक्टर नागेंद्र प्रताप की मौत हृदयाघात से झारा नाला झरना के पास हो गया। डॉ नागेंद्र अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने झरना स्थल पर गए थे। भोजन के बाद उन्होंने उल्टियां की और सीने में दर्द की बात कहते वहीं बैठ गए। साथियों ने 108 एंबुलेंस को बुलाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

2 नक्सली स्थाई वारंटी गिरफ्तार

बीजापुर (आरएनएस)। बस्तर रेंज जगदलपुर सुंदरराज पी के दिशा निर्देशन में पुलिस अधीक्षक बीजापुर दिव्यांग पटेल, कोबरा 204 कमांडेंट प्रेम कुमार के मार्गदर्शन में 24 दिसंबर को थाना बासागुड़ा से जिला बल, बस्तर बटालियन एवं कोबरा 204 की संयुक्त पार्टी नक्सल गश्त सर्चिंग, नक्सली आरोपियों एवं वारंटियों की पता तलाश में सुरनार, नेण्ड्रा, गोटटूम की ओर रवाना हुये थे। सर्चिंग के दौरान गोटटूम नेण्ड्रा से 02 संदिग्ध को पकड़ा गया। पूछताछ पर अपना नाम मड़कम हुंगा उर्फ करटामी हुंगा पिता हिड़मा उम्र 35 वर्ष जाति मुरिया साकिन गोटटुम थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर, दूसर संदिग्ध बंजाम मासा पिता स्व. सुक्का उम्र 35 वर्ष जाति दोरला साकिन गोटटुम थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर का होना बताया। उक्त दोनो के विरूद्ध थाना बासागुड़ा में 01-01 स्थाई वांरट लंबित होना पाया गया, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। उक्त जानकारी आज प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी की गई।

छत्तीसगढ़ की दो बालिका कांति और भामेश्वरी को मिलेगा राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार

रायपुर(आरएनएस)। जनवरी-2020 में नई दिल्ली में नन्हीं सी उम्र में अपने साहस का परिचय देने वाले देश के बच्चों को जब भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार-2019 से सम्मानित किया जाएगा, तब उस पंक्ति में छत्तीसगढ़ की दो बच्चियां भी खड़ी होंगी। दोनों साहसी बच्चियों को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा अनुशंसा की गई थी।

ये बच्चियां हैं धमतरी जिले की भामेश्वरी निर्मलकर और सरगुजा जिले की कांति सिंग। इन्होंने अपनी सूझबूझ से न केवल किसी की जान बचाई, बल्कि छोटी सी उम्र में ही अपने साहस का परिचय देकर अपने परिवार, राज्य और देश का नाम रौशन किया है। इन बच्चियों ने अपने अदम्य साहस से साबित कर दिखाया कि इंसानियत को समझने के लिए उम्र नहीं, बल्कि मन में कुछ कर दिखाने का जज्बा होना चाहिए फिर चाहे अपनी जान ही जोखिम में क्यों न डालनी पड़े।

तैरना नहीं आने के बाद भी दो बच्चियों की जान बचाई

धमतरी जिले के कानीडबरी गांव में रहने वाली भामेश्वरी निर्मलकर (पिता जगदीश निर्मलकर) ने 12 साल की उम्र में ही अपनी बहादुरी का परिचय देकर गांव की दो बालिकाओं को तालाब में डूबने से बचाया। कक्षा सातवीं की छात्रा भामेश्वरी ने 17 अगस्त 2019 में यह साहसिक कारनामा कर दिखाया। यह घटना उसे अक्षरशः याद है और बात करते समय पूरा घटनाक्रम जैसे उसकी आंखों के सामने से गुजरता चला जाता है। वह बताती है कि गांव की दो बालिकाएं सोनम और चांदनी स्कूल से छुट्टी होने के बाद गांव के तालाब में नहाने गई थीं। वे दोनों खेलते-खेलते तालाब की गहराई से अंजान आगे बढ़ती गई और डूबने लगी। भामेश्वरी ने बताया कि वह तालाब में कपड़ा धोने के लिए पहुंची थी। दोनों बच्चियों को तालाब में न देखकर उसका मन आशंका से भर उठा और बिना इस बात की परवाह किए कि उसे तैरना तक नहीं आता है, उसने तालाब में छलांग लगा दी। किसी तरह वह उन्हें खींचकर बाहर ले आई। जिस वक्त ये हादसा हुआ उस वक्त तालाब के आस-पास कोई और नहीं था। भामेश्वरी कहती है कि उस समय उसे कुछ सूझा नहीं, उसके मन में केवल दोनों बच्चियों की जान बचाने का ख्याल आया था। बाद में गांव की ही एक महिला की मदद से भामेश्वरी अचेत पड़ी उन बच्चियों की जान बचाने में सफल हो गई। गांव वालों की सहायता से सोनम और चांदनी को सुरक्षित उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

भामेश्वरी के इस साहस के लिए गांव वालों से लेकर स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकों और अन्य बच्चों ने भी उसकी जमकर तारीफ की। घटना की जानकारी मिलने पर जिले के कलेक्टर ने खुद राज्य वीरता पुरस्कार और राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए भामेश्वरी के नाम की अनुशंसा की। आखिरकार भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली ने भामेश्वरी को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए चुन लिया गया है। इस बात से पूरे गांव में खुशी का माहौल है।

हाथियों को चकमा देकर बहन की जान बचाई

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए चुने जाने वालों में सरगुजा जिले के मोहनपुर गांव की रहने वाली 7 साल की बालिका कांति सिंग (पिता विनोद सिंह) का नाम भी शामिल है। चौथी कक्षा में छात्रा कांति ने पिछले साल मात्र 6 साल की उम्र में अपनी जान की परवाह किये बगैर जंगली हाथियों के हमले से अपनी 3 साल की छोटी बहन की जान बचाई थी। सरगुजा जिले का यह गांव काफी समय से जंगली हाथियों के आतंक से पीड़ित क्षेत्र है। आए दिनों यहां हाथी पहुंचते हैं और पूरे घरों के साथ-साथ खड़ी फसल को तहस-नहस करके चले जाते हैं। हाथी मवेशियों के अलावा लोगों पर भी हमला कर देते हैं और उन्हें मार डालते हैं। 17 जुलाई, 2018 को ऐसा ही नजारा गांव में देखने को मिला, जब जंगली हाथियों का एक बड़ा सा झुंड वहां पहुंच गया।

सूर्य ग्रहण के सूतक से मंदिरों के बंद रहे दरवाजे

लगभग 12 बजे के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोले गये मंदिर

जगदलपुर (आरएनएस)। सूर्य ग्रहण लगने से संभाग मुख्यालय जगदलपुर के रियासतकालीन, ऐतिहासिक दंतेश्वरी मंदिर एवं जगन्नाथ मंदिर के कपाट आज सुबह से बंद रहे, सूर्य ग्रहण के समाप्त होने से 12 बजे के बाद मुख्य मंदिरों के द्वार खोले गये और पूरी साफ सफाई के बाद पवित्रता की प्रक्रिया अपनाई गई। जिसके बाद श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए आने दिया गया। दंतेवाड़ा में भी सूर्य ग्रहण लगने से दंतेश्वरी शक्ति पीठ मंदिर के कपाट सुबह 7:00 बजे से 1:00 बजे तक के लिए बंद कर दिए गए।

हिंदू मान्यता है कि सूर्य ग्रहण या चंद्र ग्रहण लगने से सामाजिक कार्य नहीं किए जाते। जब-जब ग्रहण लग्न होता है, हिंदू मान्यता के अनुसार खाना-पीना से लेकर सामाजिक कार्य नहीं किए जाते हैं। सूतक दोष की स्थिति के अनुसार सूर्य ग्रहण में शुभ कार्य किए जाने पर सूतक दोष का प्रभाव पड़ता है। दंतेश्वरी माई के शक्तिपीठ होने के कारण यहां मां दंतेश्वरी दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहता है।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव शुभारंभ : समारोह में देश भर के कलाकार देंगे रंगारंग प्रस्तुति

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 27 दिसम्बर को सुबह 10 बजे होगा। शुभारंभ अवसर पर लद्दाख, कर्नाटक, अरूणाचल प्रदेश, बेलारूस और छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी।

संस्कृति विभाग द्वारा जारी प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार महोत्सव के प्रथम दिन 27 दिसम्बर को 11.45 बजे से विवाह एवं अन्य संस्कार, पारंपरिक त्यौहार एवं अनुष्ठान, फसल कटाई व कृषि तथा अन्य पारंपरिक विधाओं पर नृत्य प्रतियोगिताएं होंगी। असम के कलाकारों द्वारा बागरूंगा नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। तेलंगाना के कलाकारों द्वारा कोया नृत्य, झारखण्ड के कलाकारों द्वारा छाऊ नृत्य, ओड़िसा के कलाकारों द्वारा सिंगारी नृत्य और गुजरात के कलाकरों द्वारा सिद्दी नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 3 बजे से राजस्थान के कलाकरों द्वारा सहरिया स्वांग, जम्मू का गुजर नृत्य, हिमाचल प्रदेश का घुरई नृत्य, लद्दाख का लद्दाखी नृत्य, उत्तराखण्ड का झांझी नृत्य, केरल का तैयम नृत्य, महाराष्ट्र का तड़पा नृत्य, तेलंगाना का गुसाड़ी नृत्य, मध्यप्रदेश का भगोरिया नृत्य, अरूणाचल प्रदेश का रेह नृत्य, आंध्रप्रदेश का लम्बाड़ी नृत्य और उत्तरप्रदेश का गरद नृत्य का आयोजन होगा। रात्रि आठ से नौ बजे तक थाईलैण्ड, बांग्लादेश, बेलारूस, मालदीव एवं युगांडा देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

महोत्सव के दूसरे दिन 28 दिसम्बर को सवेरे नौ बजे से दोपहर 12.50 बजे तक गुजरात का वसावा नृत्य, आंध्रप्रदेश का ढिमसा नृत्य, त्रिपुरा का ममिता नृत्य, झारखण्ड का पायका नृत्य, तमिलनाडु का टोडा नृत्य, आरूणाचल प्रदेश का आदि नृत्य, राजस्थान का गवरी नृत्य, छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव का हुल्की नृत्य सहित असम और मध्यप्रदेश राज्य का नृत्य प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12.50 बजे से 1.40 बजे तक लंका, थाईलैण्ड एवं मालदीव देशों से आमंत्रित कलाकारों द्वारा गैर प्रतियोगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक गुजरात के कलाकारों द्वारा राठवा नृत्य, हिमांचल प्रदेश का किन्नौरा नृत्य, पश्चिम बंगाल का संथाली नृत्य का आयोजन होगा।

कवर्धा में विभागीय कार्यों को लेकर उच्चाधिकारियों ने ली सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं की बैठक

राजनांदगांव/ कवर्धा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड के कवर्धा स्थित सर्किल कार्यालय में अधीक्षण अभियंता वाय0के0 मनहर एवं एस0के0 दुबे ने विभागीय कार्यो के प्रगति पर सभी सहायक एवं कनिश्ठ अभियंताओं की बैठक लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी ली।

उच्चाधिकारियों ने पावर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेषक संजय पटेल के निर्देषानुसार विभागीय संभाग कवर्धा एवं पंडरिया में स्टॉप डिफेक्टिव मीटर एवं रिप्लेसमेंट, डिमांड, कलेक्षन एवं एरियर्स, टी एण्ड डी एवं एटीएण्डसी लॉस की स्थिति, संभागवार चेकिंग डिमांड एवं रिकवरी, सर्तकता जांच की मांग एवं रिकवरी, कन्ज्यूमर टैगिंग, उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों को संग्रहण, विलंब एवं बिलिंग चक्र, सबस्टेषन मेन्टेनेस, फोटो स्पॉट बिलिंग, कृशि पंपों के लिए फीडरों में डीटी मीटर की स्थिति एवं अन्य विभागीय कार्यो पर विस्तारपूर्वक जानकारी लेकर अपूर्ण कार्यो को यथासंभव पूर्ण करने के निर्देष प्रसारित किये। उन्होने बैठक में मैदानी अधिकारियों द्वारा उपसंभाग एवं वितरण केन्द्रवार उपलब्ध कराये गये जानकारी पर असंतोश जाहिर करते हुए खराब परफारमेन्षन वाले सहायक एवं कनिश्ठ अभियंताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए बेहतर कार्य करने की नसीहत दी।

उन्होने सख्त लहजे में कहा कि विभागीय कार्यो में किसी भी प्रकार की कोताही बिल्कुल बर्दाष्त नही की जायेगी। कबीरधाम जिले में सतत् विद्युत व्यवस्था बनाये रखने के लिए सभी मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा।

राज्य स्तरीय विज्ञान पहेली प्रतियोगिता परीक्षा 29 दिसम्बर को

रायपुर। राज्य स्तरीय विज्ञान पहेली प्रतियोगिता परीक्षा रविवार 29 दिसम्बर को परीक्षा केन्द्र प्रोफेसर जे.एन.पाण्डे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नल घर चौक रायपुर में होगी।

परीक्षा का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक किया गया है।

विज्ञान पहेली प्रतियोगिता परीक्षा प्रभारी ने बताया कि जोन स्तरीय परीक्षा 2019-20 के टॉप-10 की चयन सूची में शामिल विद्यार्थी राज्य स्तरीय परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जोन स्तरीय परीक्षा के टॉप-10 चयन सूची वेबसाइट 222.ह्यष्द्गह्यह्ल.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ पर जारी कर दी गई है। राज्य स्तरीय परीक्षा में 9 जोन रायपुर,दुर्ग, बिलासपुर, कवर्धा, जगदलपुर, कांकेर,दन्तेवाड़ा, अंबिकापुर और रायगढ़ से टॉप-10-10 कुल 90 विद्यार्थी शामिल होंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में प्रत्येक जाने से 2 विद्यार्थी का चयन होगा। इस प्रकार राज्य स्तर पर प्रत्येक जोन से चयनित 2-2 विद्यार्थियों सहित कुल 18 विद्यार्थियों को 5-5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।राज्य स्तरीय विज्ञान पहेली परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को एक हजार रूपए प्रोत्साहन राशि के साथ ही दोपहर का भोजन और रेल या बस का न्यूनतम किराया भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जोन स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा नवम्बर माह में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 504 विद्यार्थी शामिल हुए थे।

संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की पत्रकार वार्ता : राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के बारे में बताया

रायपुर। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने आज मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत की और 27 दिसम्बर से शुरू हो रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की तैयारियों, देश-विदेश से आने वाले कलाकरों के संबंध में जानकारी दिया। भगत ने बताया कि महोत्सव में देश के 25 राज्यों और 6 देशों के कलाकार आ रहे है, कई प्रदेशों के कलाकार पहुंच चुके है और शाम तक सभी स्थानों के कलाकार पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव देश का पहला आयोजन है। इस भव्य आयोजन में पूरे छत्तीसगढ़ की जनता आमंत्रित है।

15 व 16 फरवरी को फिर होगा कानूनी जागरूकता पर आधारित लघु फिल्मों का महोत्सव

राजनांदगांव। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के कार्यपालक अध्यक्ष एवं छसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशान्त कुमार मिश्रा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में 15 व 16 फरवरी 2020 को कानूनी जागरूकता पर आधारित फिल्मों का राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह व प्रतियोगिता (शूट फॉर लीगल अवेयरनेस- एसएफएलए 2020 सीजन 3) का आयोजन बिलासपुर में किया जा रहा है। इस समारोह के लिए छसगढ़ राज्य सहित देश भर से शार्ट फिल्म की प्रविष्टियां मंगाई जाएगी। विगत वर्ष में भी इस समारोह के द्वितीय आयोजन में पूरे देश से लगभग 116 से यादा शार्ट फिल्म्स प्राप्त हुई थी। तीसरे शार्ट फिल्म फेस्टिवल के आयोजन की घोषणा आज रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में छसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के सदस्य सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर के सचिव उमेश उपाध्याय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने वाली संस्था जी.पी.आरस्ट्रेटेजीज एण्ड सॉल्यूशन के रेक्स मेहता के द्वारा की गई।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का महत्वपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राहुल गांधी के मुख्यातिथ्य में राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आगाज आज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

» राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सबेरे 10 बजे होगा शुभारंभ

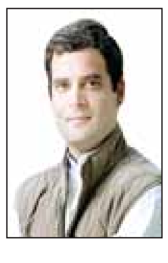

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद राहुल गांधी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ 27 दिसम्बर को सवेरे 10 बजे साईंस कॉलेज मैदान में होगा।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, उप नेता आनंद शर्मा, राज्यसभा सांसद अहमद पटेल और मोतीलाल वोरा, पूर्व सांसद के.सी. वेणुगोपाल, श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुश्री मीरा कुमार, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद पी.एल. पुनिया, बी.के. हरिप्रसाद, रणदीप सिंह सुरजेवाला, चंदन यादव, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और भक्त चरणदास शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री टी.एस. सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, मोहम्मद अकबर, कवासी लखमा, डॉ. शिवकुमार डहरिया, श्रीमती अनिला भेंड़िया, जयसिंह अग्रवाल, गुरू रूद्र कुमार, उमेश पटेल, अमरजीत भगत।

सांसद श्रीमती छाया वर्मा, श्रीमती ज्योत्सना महंत, दीपक बैज, विधायक मोहन मरकाम, सत्यनारायण शर्मा, धनेन्द्र साहू, कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती शारदा वर्मा और रायपुर नगर निगम के महापौर प्रमोद दुबे होंगे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में पहली बार राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव अब अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव का रूप ले लिया है। तीन दिवसीय इस नृत्य महोत्सव में देश के 25 राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के साथ ही 6 देशों के लगभग 1350 से अधिक प्रतिभागी अपनी जनजातीय कला संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। इस महोत्सव में 39 जनजातीय प्रतिभागी दल 4 विभिन्न विधाओं में 43 से अधिक नृत्य शैलियों का प्रदर्शन करेंगे।